

NIOS-OCT25

नाम - निशव शिखर अंकित मुल्यांकन - पत्र

नामांकन संख्या - 4500322402512

अध्ययन केंद्र संख्या - 450032

विषय - हिंदी (विषय कोड - 201)

कौर्स - माध्यमिक (10th)

सत्र - 2024-2025 (Stream 1-Block 2)

फोन नंबर - 9148119744

हिन्दी (201)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन - पत्र

प्रश्न 1 निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40-60 शब्दों में दीजिए:-

● (क) "रॉबर्ट नर्सिंग होम में" पाठ का मूल संदेश क्या है? अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर "रॉबर्ट नर्सिंग होम में" पाठ हमें यह संदेश देता है कि बुजुर्गों को हमारे प्यार, सहानुभूति और देखभाल की जरूरत होती है। जीवन की कठिनाइयों में भी यदि हम सकारात्मक सोच और मानवता बनाए रखें, तो समाज बेहतर बन सकता है। हमें अपने बुजुर्गों को अकेला-पन महसूस नहीं होने देना चाहिए।

● प्रश्न 2(क) 'इसे जगाओ' कविता में 'सपनों में खोए रहने' तथा 'सपने देखने' में अंतर किया गया है। आप अपने भविष्य को सोंखने के लिए जो सपने देखते हैं, उन्हें पूरा करने के लिए क्या रूपरेखा बनाएंगे?

उत्तर "इसे जगाओ" कविता में 'सपने देखना' आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, जबकि 'सपनों में खो जाना' केवल कल्पना में जीना है। अपने भविष्य को सोंखने के लिए मैं स्पष्ट लक्ष्य बनाऊंगा, छोटे-छोटे कदम उठाऊंगा, मेहनत करूंगा और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करता रहूंगा।

प्रश्न 3(ख) 'अपना पया' पाठ में त्वचा को शरीर रूपी दुर्ग की बाहरी दीवार कहा गया है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? दो बिंदुओं की सहायता से स्पष्ट करें।
उत्तर हाँ, मैं इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ कि त्वचा शरीर की बाहरी दीवार है।

- यह शरीर की सबसे बाहरी ठोस परत है, जो अंदरूनी अंगों को सुरक्षित रखती है।
- यह एक मजबूत कवच की तरह काम करती है, जो बैक्टीरिया, धूल और अन्य हानिकारक चीजों से हमारी रक्षा करती है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 - 150 शब्दों में दीजिए:-

(क) 'इस जगाओ' कविता में सही क्षण में सजग होने के महत्व का उल्लेख है। अपने किसी विशिष्ट अनुभव का उल्लेख करते हुए इस कथन को सिद्ध कीजिए।

उत्तर 'इस जगाओ' कविता में कवि ने सही समय पर सजग होने के महत्व को दर्शाया है। जीवन में कई बार मौकें आते हैं, जिन्हें अगर समय रहते पहचान लिया जाए, तो सफलता पाई जा सकती है।

एक बार मेरी परीक्षा नजदीक थी, लेकिन मैं शुरुआत में पढ़ाई की गंभीरता से नहीं ले रहा था। जैसे-जैसे परीक्षा का समय पास आया, मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मैंने अंतिम समय में पढ़ाई शुरू की। हालाँकि मैंने जितनी कोशिश की, उतनी तैयारी कर पाया, लेकिन

उत्तर 4(क) परिणाम उतना अच्छा नहीं आया जितना आ सकता था।

इस अनुभव से मैंने यह सीखा कि अगर मैं शुरू से सज्ज होना और समस्या का सही उपचार करता, तो नतीजा बेहतर होता। यही कविता का संदेश है - सही समय पर जागना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

प्रश्न 5. (क) 'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' महिलाओं की अभूतपूर्व उपलब्धियों को व्यक्त करता हुआ फीचर है। पाठ में शामिल किन्हीं दो महिलाओं की उपलब्धियों की विवेचना कीजिए।

उत्तर

'भारत की ये बहादुर बेटियाँ' पाठ में भारत की महिलाओं की साहस, संघर्ष और उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। इनमें दो प्रमुख महिलाएँ हैं - कल्पना चावला और बछेंद्री पाल।

- कल्पना चावला अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय मूल की महिला थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में 372 घंटे बिताए और पृथ्वी की 252 कक्षाओं की यात्रा की। उनका जीवन हर युवा के लिए प्रेरणा है।

- बछेंद्री पाल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने 23 मई 1984 को यह उपलब्धि हासिल की। उन्हें पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने कई अभियानों को नेतृत्व किया और भारत का नाम ऊँचा किया।

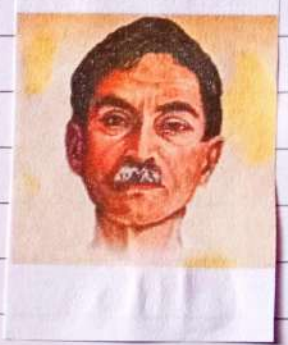
इन दोनों ने यह सिद्ध किया कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से कोई परियोजना की जिए:-

(क) आधुनिक हिंदी के किन्हीं पाँच रचनाकारों के व्यक्तित्व और कृतिव की समीक्षा करते हुए चित्र सहित उनके जीवनवृत्त और कृतिव को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

परियोजना- विषय: आधुनिक हिंदी के पाँच रचनाकारों के व्यक्तित्व और कृतिव की समीक्षा

1. मुंशी प्रेमचंद: मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली लेखक माने जाते हैं। इनका जन्म 31 जुलाई 1880 को बनारस के पास हुआ था। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से समाज की सूझाव्यों की उजागर किया। उनकी कहानियाँ और उपन्यास आम लोगों के जीवन, गरीबी, शोषण और संघर्ष पर आधारित होते थे। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- गोदान, राबन, नमक का दारोगा, ईदगाह आदि।



2. महादेवी वर्मा: महादेवी वर्मा हिंदी की प्रसिद्ध कवयित्री थीं और उन्हें छायावाद युग की चार प्रमुख स्तंभों में गिना जाता है। इनका जन्म 26 मार्च 1907 को फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। वे केवल एक कवयित्री ही नहीं, बल्कि एक समाजसेविका और शिक्षिका भी थीं। उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- नींदर, रश्मि, थामा, दीपा-शिखा आदि।



प्रश्न 6. (क)

3. हरिवंश शाय बच्चन : हरिवंश शाय बच्चन हिंदी काव्य जगत के प्रसिद्ध कवि थे। इनका जन्म 27 नवम्बर 1907 को प्रयाग शहर में हुआ था। वे अपनी आत्मीय और भावनात्मक कविता शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी सबसे प्रसिद्ध काव्य रचना मधुशाला है, जिसने उन्हें विशेष ख्याति दिलाई। उनकी कविताओं में जीवन के संघर्ष, प्रेम, पीड़ा और उम्मीद की झलक मिलती है।



4. मेथिली शरण गुप्त : मेथिली शरण गुप्त खड़ी बोली हिंदी के पहले महत्त्वपूर्ण कवि माने जाते हैं। इनका जन्म 3 अगस्त 1886 को झांसी के निकट हुआ था। उन्होंने देशभक्ति, नारी सम्मान और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित कविताएँ लिखीं। उनकी प्रमुख रचना भात-भारती आज भी प्रसिद्ध है। उनकी भाषा सरल और प्रेरणादायक होती थी, जिससे वे आम लोगों से सीधे जुड़ते थे।



5. रामधारी सिंह 'दिनकर' : 'दिनकर' जी का जन्म 23 सितंबर 1908 को बिहार में हुआ था। वे आज और वीर रस के राष्ट्रवादी कवि थे। उनकी रचनाएँ युवकों में जोश भरती हैं। 'रश्मिश्ची' और 'संस्कृति के चार अध्याय' उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं। उन्हें 'राष्ट्रीय कवि' भी कहा जाता है।

